पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेंट की

लखनऊः 01 सितम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2012 बैच के एक तथा 2013 बैच के 16 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेट किया, जिनमें 9 महिला एवं 8 पुरूष अधिकारी हैं। उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी द्वारा 12 सप्ताह का संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 जुलाई से आरम्भ हुआ है और 27 सितम्बर, 2014 तक चलेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी के महानिदेशक, श्री नेतराम, राज्यपाल की प्रमुख सचिव, सुश्री जूथिका पाटणकर, अकादमी की अपर निदेशक, श्रीमती शीतल वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता एवं शुभ संकेत की बात है कि परिवीक्षाधीन अधिकारियों के इस बैच में महिला अधिकारियों की संख्या पुरूषों से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों का पद एक प्रतिष्ठित पद है, जिसका दायित्व प्रदेश एवं देश के विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह आम जनता के हित एवं विकास से जुड़ा है। सुशासन एवं टीम भावना के माध्यम से जनता की अच्छी सेवा प्रदान करना ही प्राथमिकता होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कैंसर को रोकने में प्रशासनिक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें तथा स्वयं को भ्रष्टाचार से दूर रखते हुए दूसरों को भी रोके। पूर्व प्रधानमंत्री, स्व0 श्री राजीव गांधी के कथन को दोहराते हुए उन्होंने कि उनके अनुसार केवल 15 प्रतिशत विकास का पैसा लाभार्थियों तक पहुंचता है।

श्री नाईक ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी जनता के हित के लिये अभिनव प्रयोग करें तथा आत्मावलोकन करें कि जनता के लिये उनके द्वारा किये गये कार्य से वे स्वयं कितने सन्तुष्ट हैं। समयबद्ध कार्य-पद्धति को बढ़ावा दें तथा जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाये। समय सीमा के भीतर कार्य करने से अधीनस्थ कर्मचारियों पर भी अच्छा प्रभाव होता है। उन्होंने अपने गुरू द्वरा दिये गये मंत्र भी बताये कि अपनी जिम्मेदारी को सदैव प्रसन्नचित होकर निपटाये, दूसरों के अच्छे कार्य की प्रशंसा करके उसका मनोबल बढ़ाये, किसी की अवमानना या निन्दा न करके उसको हतोत्साहित न करें तथा यह अवश्य जाने कि कोई भी कार्य करने का उससे बेहतर तरीका भी हो सकता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने जीवन से जुड़े अंशों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने महालेखाकार कार्यालय में अपर डिविजन क्लर्क से नौकरी की शुरूआत की फिर वहां से त्यागपत्र देकर कम्पनी सेक्रेटरी में मुख्य लेखाकार का दायित्व निभाया फिर कुछ दिनों बाद नौकरी छोड़कर मुम्बई बोरीवली से तीन बार विधायक रहे, फिर उत्तर मुम्बई लोकसभा से लगातार पांच बार सांसद हुए तथा 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेई की सरकार में नियोजन, गृह तथा रेल राज्यमंत्री रहे। पूर्व प्रधानमंत्री, श्री बाजपेई की दोबारा सरकार बनने पर पांच साल तक पेट्रोलियम मंत्री रहे। उन्होंने अपने जीवन के अन्य अनुभव भी परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ बांटे।

अन्जुम/रा0/राजभवन